

मेरी उम्मीद का दीपक कभी बुजने नहीं देना

मेरी उम्मीद का दीपक कभी बुजने नहीं देना
श्याम जो तुम से पाया है कभी लुटने नहीं देना

मैं सच की राह पर चल कर जाऊँगी अपनी मंजिल पर,
दया क्या ये कम है ओ घनश्याम प्यारे
जो चरणों में तेरे ठिकाना मिला है
बड़े भाग्यशाली है वो तेरे बंदे जिहने आप से दिल लगाना मिला है
मुरारी मैं रेहमत के सदके तुम्हारी जो चरणों में ये सिर झुकाना मिला है
वो क्या भागे जन्नत की परवाह करेगे जिहने आप का आशियाना मिला है

मैं सच की राह पर चल कर जाऊँगी अपनी मंजिल पर,
झूठ के आगे मेरा सिर कभी झुकने नहीं देना

मैं जब भी ठोकरे खाऊँ सहारा आप का पाऊँ,
आसारा इस जहाँ का मिले न मिले
मुझे तेरा सहारा सदा चाहिए
चाँद तारे फलक पर दिखे न दिखे मुझको तेरा नजारा सदा चाहिए
मेरी धीमी है चाल और पथ है विशाल हर कदम पर मुसीबत है अब तू सम्बाल
पैर मेरे थके हैं चले न चले मुझको तेरा सहारा सदा चाहिए
मैं जब भी ठोकरे खाऊँ सहारा आप का पाऊँ,
भगती की राह में मुझको कभी रुकने नहीं देना

Source:

<https://www.bharattemples.com/meri-umeed-ka-deepak-kabhi-bujne-nhi-dena/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>